Rajasthan Board Class 11 Syllabus for Compulsory Subjects

हिन्दी अनिवार्य

समय : 3.15 घण्टे **पूर्णांक–100**

अधिगम क्षेत्र	अंक
अपठित	**20**
रचनात्मक तथा व्यावहारिक लेखन	**25**
पाठ्य पुस्तक : **आरोह** (भाग–1)	**40**
पूरक पुस्तक : **वितान** (भाग–1)	**15**

1. अपठित : **20**

i. काव्यांश – 18 से 20 पंक्तियाँ : (काव्यांश पर आधारित अर्थग्रहण, सौन्दर्य बोध और काव्य रीति पर पाँच लघूत्तरात्मक प्रश्न) 10

ii. गद्यांश – 200 से 225 शब्द : (गद्यांश पर आधारित बोध, पद व्याख्या, प्रयोग, रचनांतरण, शीर्षक आदि पर पाँच लघूत्तरात्मक प्रश्न) 10

2. रचनात्मक तथा व्यावहारिक लेखन : **25**

i निबंध (आधुनिक विषय पर विकल्प सहित) 10

ii कार्यालयी पत्र (विकल्प सहित) 05

iii प्रिंट माध्यम के फीचर (समाचार और सम्पादकीय) 05

iv प्रतिवेदन/आलेख 05

3. आरोह (काव्य–भाग–20 अंक, गद्य–भाग–20 अंक) **40**

(काव्य–भाग)

i. दो काव्यांशों मे से किसी एक पर अर्थग्रहण के चार प्रश्न (2+2+2+2) 08

ii. दो में से एक काव्यांश के सौंदर्यबोध पर दो प्रश्न (3+3) 06

iii. कविता की विषय–वस्तु पर आधारित तीन लघूत्तरात्मक प्रश्न (2+2+2) 06

(गद्य–भाग)

i. दो में से एक गद्यांश पर आधारित अर्थग्रहण संबंधित चार प्रश्न (2+2+2+2) 08

ii. पाठों की विषयवस्तु पर आधारित पांच में से चार बोधात्मक प्रश्न (3+3+3+3) 12

4. वितान – भाग : 1 **15**

i. पाठों की विषयवस्तु पर आधारित चार में से तीन लघूत्तरात्मक प्रश्न (3+3+3) 09

ii. विषयवस्तु पर आधारित दो में से एक निबंधात्मक प्रश्न 06

निर्धारित पुस्तकें

1. **आरोह–भाग 1** – एन.सी.ई.आर.टी. से प्रतिलिप्याधिकार अन्तर्गत प्रकाशित
2. **वितान–भाग 1** – एन.सी.ई.आर.टी. से प्रतिलिप्याधिकार अन्तर्गत प्रकाशित
3. **अभिव्यक्ति और माध्यम** – एन.सी.ई.आर.टी. से प्रतिलिप्याधिकार अन्तर्गत प्रकाशित

English Compulsory

Time : 3.15 Hours **marks : 100**

Areas of Learning	Marks
Reading	20
Writing	30
Grammar	20
Textual Questions (i) Text book - **Hornbill** (ii) Supp. Book - **Snapshots**	30

1. Reading **20**

Two unseen passages (around 350 words for both).
(Besides comprehension question, lexical items should also be tested)

2. Writing **30**

(i) One out of two tasks - description of any event or incident, or a process based on hints 100-120 words 10

(ii) One out of two composition - an article, a report. a speech (Around 100-120 words) 10

(iii) One out of two letters (Business or official lettters for enquiries, com plaints, asking for imformation placement of a person or an order etc.or) letter to the school authorities regarding admissions, school issues, requirements, suitability of courses etc. 10

3. Grammar - The questions type will include gap-filling, sentence-reordering, dialogur-completion, and sentence-transformation **20**

(i) Determiners 05
(ii) Tenses 05
(iii) Clauses 05
(iv) Modals 05

4. Text Books **30**

Prose **10**

(i) One out of two extract from the prescribed text for comprehension 06
(ii) Four out of six short answer type questiones (arround 10-15 words) 04

Poetry **10**

(i) One out of two extract from the prescribed poems for comprehension and literary interpretion 04
(ii) Three out of four short answer type questions (arround 10-15 words) 06

Supplementary Reader - Snapshots **10**

(i) One out of two questions to test the evaluation of characters, events and episodes (in about 50-60 words) 06
(ii) Two out of three short answer type questions to be answered in about 30-40 words on content, events and episodes 04

Prescribed Books :

1. **Hornbill -** NCERT's Book Published under Copyright.
2. **Snapshots -** NCERT's Book Published under Copyright

राजस्थान अध्ययन

समय : 3.15 घण्टे **पूर्णांक–100**

नोट– **राजस्थान अध्ययन विषय में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है लेकिन प्राप्तांक श्रेणी निर्धारण मे नही जोड़े जायेगे।**

(i) राजस्थान में जनजागरण : **15**
बाधाएँ, कारण एवं स्वरूप, 1857 की क्रांति
किसान एवं जनजाति आन्दोलन, प्रजामण्डल आन्दोलन

(ii) राजस्थान में स्थापत्य एवं चित्रकला **15**
स्थापत्य, चित्रकला एवं मूर्तिकला–दुर्ग स्थापत्य, मंदिर स्थापत्य, राज प्रसाद स्थापत्य, बावड़ी स्थापत्य, मूर्तिकला, चित्र शैलियाँ – मेवाड़, मारवाड़, जयपुर, किशनगढ़, बूंदी, कोटा, नाथद्वारा।

(iii) राजस्थान की लोक कलाऐं **10**
लोक नृत्य, लोक वाद्य, लोक संगीत, हस्तशिल्प।

(iv) राजस्थान के प्राकृतिक संसाधन एवं उनका संरक्षण : **15**
वन संसाधन, मृदा संसाधन, जल संसाधन, वन्यजीव एवं खनिज संसाधन।

(v) राजस्थान के ऊर्जा संसाधन : **10**
कोयला, जलविद्युत, तापीयविद्युत, आणविक ऊर्जा, गैस आधारित ऊर्जा, गैर परम्परागत ऊर्जा के स्त्रोत।

(vi) राजस्थान की अर्थव्यवस्था : **10**
राजस्थान की अर्थव्यवस्था की विशेषताएँ, राजस्थान की जनसंख्या।

(vii) राजस्थान का आर्थिक विकास : **15**
योजनाबद्ध विकास, नई औद्योगिक नीति, कृषि विकास, औद्योगिक विकास, पर्यटन विकास, राजस्थान के आर्थिक विकास में बाधाएँ और संभावनाएँ।

(viii) राजस्थान में पर्यटन विकास एवं सम्भावनाएँ : **10**
राजस्थान में पर्यटन, पर्यटन स्थल, पर्यटन नीति, पर्यटन विकास एवं संभावनाएँ।

निर्धारित पुस्तक–

राजस्थान अध्ययन भाग 3 – मा.शि.बोर्ड, राज., अजमेर द्वारा प्रकाशित

4. जीवन कौशल शिक्षा

इकाई प्रथम–स्वयं की पहचान एवं संबंध

1. मेरी पहचान : स्वजागरूकता 2. मेरी भावनाएँ : अभिव्यक्ति
3. पारिवारिक संबंध : रिश्तों को समझना 4. सामाजिक संबंध : जिम्मेदारी निभाना
5. सम्बन्ध : मजबूत बनाना 6. सम्प्रेषण : प्रभावी अभिव्यक्ति 7. मित्रता : सही पहचान
8. समूह दबाव : आत्मविश्वास 9.सामाजिक समस्याएँ : मिलकर निवारण करना

इकाई द्वितीय–स्वास्थ्य के महत्त्व की समझ

10. स्वास्थ्य : शारीरिक, मानसिक, सामाजिक स्वास्थ्य 11. समग्र विकास : अनुकूल व सुरक्षित परिवेश
12. शारीरिक परिवर्तन : स्वाभाविक प्रक्रिया 13. मानसिक परिवर्तन : सामाजिक प्रक्रिया के साथ अन्त:संबंध
14. पौष्टिक आहार : अच्छे स्वास्थ्य का आधार 15. योग अभ्यास : सकारात्मक व्यक्तित्व
16. खेलकूद : मनोरंजन एवं बेहतर स्वास्थ्य 17. किशोर वय : मर्यादित व्यवहार
18. किशोरावस्था : कुछ अनकही बातें 19. गर्भधारण और गर्भावस्था : सही उम्र में निश्चय
20. परिवार कल्याण : सीमित परिवार 21. यौन संचारित संक्रमण एवं प्रजनन संक्रमण : समय पर सावधानी
22. एचआईवी / एड्स : जाँच एवं परामर्श 23. दुर्व्यसन : स्वास्थ्य पर प्रभाव

इकाई तृतीय–मेरा भावी जीवन

24. लक्ष्य की ओर : दूरदर्शिता 25. आत्मनिर्भरता : रोजगार के अवसर
26. परिवर्तनशील समाज : सक्रिय भागीदारी 27. जीवनसाथी : भावनात्मक बन्धन
28. अभिभावकत्व : जिम्मेदारीपूर्ण व्यवहार 29. संचार माध्यम : प्रभाव

परिशिष्ट 1. स्वास्थ्य सूचकांक एवं सामान्य जानकारी-भारत व राजस्थान
परिशिष्ट 2. सामान्य रोग
परिशिष्ट 3. सामान्य घरेलू नुस्खे
परिशिष्ट 4. परीक्षा की तैयारी
आत्म-मूल्यांकन प्रश्नावलियाँ

किशोरों तक जीवन कौशल शिक्षा को हस्तान्तरित करने के लिए शिक्षक निर्देशिका एवं विद्यार्थियों हेतु पाठ्यपुस्तक का निर्माण किया गया है। ये दोनों एक-दूसरे की पूरक हैं। इनका समान्तर अध्ययन विषय के बारे में स्पष्टता एवं जानकारी को बढ़ाता है। सहभागी प्रशिक्षण विधियों पर आधारित ये पुस्तकें विद्यार्थियों के साथ काम करने में अत्यन्त मददगार हैं।

(1) शिक्षक निर्देशिका–यह पुस्तिका अपनी विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जीवन कौशलों को आत्मसात् करने और बढ़ाने के अवसर प्रदान करती है। इसके विभिन्न सत्रों के संचालन के माध्यम से शिक्षक न केवल विद्यार्थियों में जीवन कौशल शिक्षा का संचार करेंगे अपितु स्वयं भी अपने अन्दर विद्यमान कौशलों को पहचान कर तदनुसार आचरण करने में सक्षम हो सकेंगे। यह निर्देशिका तीन इकाइयों में विभक्त हैं, 'मेरी पहचान', 'स्वास्थ्य की समझ' और 'मेरा भावी जीवन'। इसमें कुल 29 पाठ हैं और प्रत्येक पाठ में दो से चार तक गतिविधियाँ हैं। इनके माध्यम से यह प्रयास किया गया है कि विद्यार्थियों में जीवन कौशलों का स्वत: विकास हो सके।

शिक्षक इसमें दिए गए प्रत्येक पाठ का पूर्व अध्ययन कर उसकी गतिविधियों को भली भाँति समझ लें। सामग्री की उपलब्धता को सुनिश्चित कर लें। गतिविधियों के दौरान दिए गए सहजकर्ता सम्बन्धी निर्देशों का अनुसरण करके तथा स्वयं की रचनात्मकता से गतिविधियों को संचालित करें। इससे अपेक्षित उद्देश्यों की प्राप्ति की जा सकती है। प्रत्येक पाठ के अन्त में उल्लिखित विभिन्न कौशलों के प्रति विद्यार्थी अपनी समझ बढ़ाते हुए इन्हें

ग्रहण कर सकेंगे। इस पुस्तक की द्वितीय इकाई (स्वास्थ्य की समझ) के दौरान विषय की संवेदनशीलता को ध्यान में रखें। इसकी गतिविधियों के संचालन हेतु छात्र-छात्राओं के पृथक-पृथक् बैठने की व्यवस्था भी करें। विद्यार्थियों को प्रेरित करें कि वे अपनी किसी भी शंका या जिज्ञासा सम्बन्धी प्रश्नों को एक पर्ची पर लिख कर इस पेटी में डाल दें। उन्हें निर्देश दें कि वे पर्ची पर अपना नाम नहीं लिखें, इससे गोपनीयता बनी रहेगी।

निर्देशिका के अन्त में मूल्यांकन प्रक्रिया की जानकारी दी गई है। इसके आधार पर शिक्षक विद्यार्थियों का मूल्यांकन करेंगे। तीन स्तरों पर होने वाले इस मूल्यांकन कार्य में कक्षा में सहभागिता (गतिविधियों के दौरान), विद्यार्थियों की सृजनात्मकता (प्रोजेक्ट वर्क) तथा परम्परागत मूल्यांकन पद्धति (वार्षिक लिखित परीक्षा) तीनों को सम्मिलित किया गया है। इस मूल्यांकन में विद्यार्थियों के लिए तीन श्रेणियाँ निर्धारित की गई हैं। किसी भी विद्यार्थी को अनुत्तीर्ण नहीं माना गया है।

(2) विद्यार्थियों हेतु पाठ्यपुस्तक–यह पुस्तक विद्यार्थियों के लिए तैयार की गई है। इसका उद्देश्य विषय के बारे में विद्यार्थियों की समझ मो बढ़ाना है। शिक्षक के द्वारा कक्षा में गतिविधि के संचालन के दौरान विद्यार्थी इस पुस्तक का स्वयं अध्ययन सामग्री के रूप में प्रयोग कर सकेंगे। इस पुस्तक के पाठ शिक्षक निर्देशिका के सत्रों के अनुरूप तैयार किए गए हैं जिसमें विद्यार्थियों तक सही एवं स्पष्ट जानकारी सम्प्रेषित हो सके। प्रत्येक पाठ के अन्त में दिए गए–'जाने, समझें और करें' विद्यार्थियों के सतत मूल्याकंन हेतु हैं। इसकी पूर्ति हेतु शिक्षक विद्यार्थियों को प्रेरित करेंगे।

जीवन कौशल शिक्षा मूल्यांकन

मूल्यांकन तीन स्तरों पर होगा। इसमें कक्षा में सहभागिता (गतिविधियों के दौरान) विद्यार्थियों की सृजनात्मकता (प्रोजेक्ट वर्क) तथा परम्परागत मूल्यांकन पद्धति (वार्षिक लिखित परीक्षा) तीनों को सम्मिलित किया गया है। जीवन कौशल शिक्षा हेतु विद्यार्थियों के मूल्यांकन का प्रारूप निम्नांकित प्रकार का होगा–

क्र.सं.	मूल्यांकन	अंक
1.	गतिविधि के दौरान मूल्यांकन	30
2.	विद्यार्थियों द्वारा सम्पादित कार्यों का मूल्यांकन	30
3.	लिखित प्रश्न-पत्र आधारित मूल्यांकन	40
	कुल योग	**100**

(1) **गतिविधियों के दौरान मूल्यांकन** **कुल अंक 30**

गतिविधि आधारित मूल्यांकन सतत् प्रक्रिया में रहेगा, जिसके लिए विद्यार्थी पाठ्यपुस्तिका में दिये गये 'जाने, समझे, करें' के आधार पर विद्यार्थियों का अवलोकन होगा। इसके लिए 3 अंक निर्धारित हैं।

प्रत्येक पाठ की गतिविधि के दौरान विद्यार्थियों को ध्यान से निरीक्षण करें। शिक्षक इस हेतु रजिस्टर रख सकते हैं। सत्र के अंत में निम्नलिखित आधार पर मूल्यांकन करें।

क्र.सं.	मूल्यांकन	कुल अंक
1.	भागीदारी	5
2.	समूह भावना	5
3.	दृष्टिकोण	5
4.	सम्प्रेषण	5
5.	रचनात्मकता	5
6.	जिज्ञासा	5
	कुल योग	**30**

गतिविधि आधारित मूल्यांकन का प्रारूप

विद्यालय ..... दिनांक .....

क्र.सं.	विद्यार्थी का नाम	भागीदारी	समूह भावना	दृष्टिकोण	सम्प्रेषण	रचनात्मकता	जिज्ञासा	कुल योग

हस्ताक्षर

(2) विद्यार्थियों द्वारा सम्पादित कार्यों का मूल्यांकन — कुल अंक 30

विद्यार्थियों द्वारा सम्पादित कार्यों का मूल्यांकन सावधिक रहेगा। इसमें प्रत्येक इकाई पर आधारित कुछ व्यावहारिक व प्रायोगिक कार्य जैसे–प्रोजेक्ट कार्य, स्क्रेप बुक, सूचना संकलन, फील्ड वर्क, रिपोर्ट लेखन, चार्ट/पोस्टर आदि के निर्माण के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया जायेगा। इसके भी 30 अंक होंगे।

उक्त व्यावहारिक कार्य विद्यार्थियों द्वारा व्यक्तिगत और सामूहिक, दोनों स्तर पर किये जा सकते हैं। सामूहिक स्तर के प्रोजेक्ट कार्य के लिए शिक्षक सात या आठ विद्यार्थियों के छोटे-छोटे समूह बनाकर विषयानुसार गतिविधियाँ संचालित करवाएँ। इस संदर्भ में उदाहरणस्वरूप कुछ गतिविधियाँ दी गई हैं। इन गतिविधियों के अतिरिक्त शिक्षक चाहें, तो स्वविवेक से अन्य गतिविधियों का भी प्रयोग सकते हैं। परिस्थितियों के अनुसार गतिविधियों में आवश्यक संशोधन या परिवर्तन भी किये जा सकते हैं।

प्रत्येक इकाई की समाप्ति पर उक्त कार्यों का प्रस्तुतीकरण विद्यार्थियों द्वारा किया जायेगा। प्रत्येक इकाई के लिये अंकों का वितरण निम्नांकित प्रकार से होगा–

इकाई	प्रथम	10
इकाई	द्वितीय	10
इकाई	तृतीय	10
	कुल योग	**30**

जीवन कौशल शिक्षा - प्रोजेक्ट आधारित मूल्यांकन का प्रारूप

विद्यालय ..... दिनांक .....

क्र.सं.	विद्यार्थी का नाम	इकाई-प्रथम	इकाई - द्वितीय	इकाई - तृतीय	कुल योग
		10	10	10	30

(1) लिखित प्रश्न-पत्र आधारित — कुल अंक 40

लिखित प्रश्न-पत्र से होने वाला मूल्यांकन वार्षिक होगा। इसके कुल 40 पूर्णांक हैं, जिसमें प्रथम व तृतीय इकाई के लिए 10 + 10 व द्वितीय इकाई के लिए पूर्णांक के रूप में 20 अंक निर्धारित किये गये हैं। इस प्रकार विद्यार्थियों के मूल्यांकन कार्य हेतु कुल पूर्णांक 100 हैं।

सत्रांत पर शिक्षक शिक्षक–निर्देशिका के अन्त में पीछे दिये गये प्रश्नों में से कुल 40 प्रश्नों का चयन करें। प्रत्येक सही उत्तर के लिये 1 अंक दिया जायेगा। मूल्यांकन करते समय शिक्षक इस बात का विशेष ध्यान रखें कि कुछ प्रश्नों के उत्तर विद्यार्थी स्वविवेक से भी दे सकते हैं।

इन प्रश्नों के चयन का आधार व अंक-प्रणाली निम्न प्रकार से होगी–

इकाई-प्रथम	10 प्रश्न	10 अंक
इकाई-द्वितीय	20 प्रश्न	20 अंक
इकाई-तृतीय	10 प्रश्न	10 अंक
कुल	**40 प्रश्न**	**40 अंक**

जीवन कौशल शिक्षा - प्रोजेक्ट आधारित मूल्यांकन का प्रारूप

विद्यालय ..... दिनांक .....

क्र.सं.	नाम	गतिविधि आधारित 30	प्रोजेक्ट आधारित 30	लिखित मूल्यांकन 40	कुल योग 100	श्रेणी

कुल प्राप्तांकों के आधार पर विद्यार्थियों द्वारा 60 व इससे अधिक अंक प्राप्त करने पर उन्हें 'ए' श्रेणी, 45 व इससे अधिक (60 से कम) प्राप्तांक पर 'बी' श्रेणी तथा 45 से कम प्राप्तांक पर 'सी' श्रेणी प्रदान की जाएगी।

श्रेणी	कुल प्राप्तांक
A	6 व ऊपर
B	45 व ऊपर
C	45 से नीचे